कार्यपत्र-4

1. सही उत्तर पर ठीक (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) रचना के आधार पर शब्द के कितने भेद हैं? (ii) तीन ✓

(ख) जो शब्द संस्कृत से हिंदी में बिना किसी परिवर्तन के आए, वे कहलाते हैं– (iii) तत्सम ✓

(ग) 'बैलगाड़ी' शब्द किसका उदाहरण है? (i) यौगिक शब्द का ✓

(घ) जिन शब्दों की उत्पत्ति प्रादेशिक बोलियों से हुई हो, वे होते हैं– (iv) देशज शब्द ✓

(ङ) अर्थ के आधार पर शब्द का भेद है– (iii) सार्थक शब्द ✓

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) वर्णों का वह समूह जिसका निश्चित अर्थ हो तथा स्वतंत्र रूप से प्रयुक्त हो, उसे शब्द कहते हैं। जैसे– लड़का, पुस्तक आदि।

(ख) तत्सम शब्द बिना किसी परिवर्तन के संस्कृत भाषा से हिंदी में अपने मूल रूप में प्रयुक्त होते हैं, जैसे– हस्त, हस्ती, तृण, घृत, वानर आदि। जबकि संस्कृत के वे शब्द जो कुछ परिवर्तन के साथ हिंदी में प्रयुक्त होते हैं, तद्भव कहलाते हैं। जैसे– हाथ, हाथी, घास, घी, बंदर।

(ग) हिंदी भाषा में कुछ ऐसे शब्द भी हैं, जो दो भिन्न भाषाओं के शब्दों के आपस में जुड़ने से बनते हैं, इन्हें संकर शब्द कहा जाता है। जैसे– 1. रेल (अंग्रेज़ी) + गाड़ी (हिंदी) = रेलगाड़ी, 2. घड़ी (हिंदी) + साज़ (अरबी) = घड़ीसाज़, 3. बस (अंग्रेज़ी) + अड्डा (देसी) = बसअड्डा, 4. टिकट (अंग्रेज़ी) + घर (हिंदी) = टिकटघर, 5. माँग (हिंदी) + पत्र (संस्कृत) = माँगपत्र।

(घ) दो शब्दों के योग से बने वे शब्द जो किसी विशेष अर्थ के लिए रूढ़ हों, योगरूढ़ शब्द कहलाते हैं। जैसे– हिम+आलय = हिमालय। हिमालय शब्द विशेष पर्वत के रूप में रूढ़ हो गया है।

(ङ) प्रयोग के आधार पर शब्द के दो भेद हैं–

1. विकारी शब्द– जो शब्द लिंग, वचन, कारक तथा काल के अनुसार अपना रूप बदल लें, वे विकारी शब्द कहलाते हैं।
2. अविकारी शब्द– जो शब्द लिंग, वचन, कारक तथा काल के अनुसार रूप नहीं बदलते, वे अविकारी शब्द कहलाते हैं।

3. निम्नलिखित शब्दों को उचित स्थान पर लिखिए।

पीतांबर	पुस्तकालय	घोंसला	पुस्तक	आदमी	लोटा
लंबोदर	लकड़ी	कर्ज़दार	चंद्रशेखर	घोड़ा	भोजनालय

रूढ़ शब्द	**यौगिक शब्द**	**योगरूढ़ शब्द**	**देशज शब्द**
पुस्तक	पुस्तकालय	पीतांबर	घोंसला
आदमी	कर्ज़दार	लंबोदर	लोटा
घोड़ा	भोजनालय	चंद्रशेखर	लकड़ी

4. निम्नलिखित शब्दों के तत्सम शब्द लिखिए।

(क)	हाथी	हस्ती	(ख)	उल्लू	उलूक
(ग)	सूखा	शुष्क	(घ)	खीर	क्षीर
(ङ)	छेद	छिद्र	(च)	जेठ	ज्येष्ठ
(छ)	बंदर	वानर	(ज)	आम	आम्र